Website : www.highwaychannel.in

छत्तीसगढ़ का सर्वाधिक प्रसारित शाम का अखबार

हाईवे चैनल

वर्ष- 28 ◘ अंक- 250 ◘ रायपुर, शनिवार 4 अक्टूबर 2025 ◘ पृष्ठ-8 ◘ मूल्य- 2.50 रुपया ● रायपुर ● जगदलपुर से प्रकाशित RNI रजिस्ट्रेशन नं. 68139/98

31 मार्च 26 तक बस्तर होगा लाल आतंक से मुक्त: शाह

मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना का शुभारंभ, 250 गांव शामिल

रायपुर/जगदलपुर, 4 अक्टूबर (हाईवे चैनल)। गृह मंत्री अमित शाह आज बस्तर दशहरा लोकोत्सव में शामिल हुए। जहां बस्तर के आदिवासी समाज ने उनका आत्मीय स्वागत किया। गृह मंत्री अमित शाह ने इस अवसर पर मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना का शुभारंभ किया जिसमें 250 गांव को शामिल किया गया है और 34 बस की शुरूआत की गई है। उन्होंने इस अवसर पर 65 लाख महिलाओं के सम्मान के लिए महतारी वंदन योजना की किस्त भी जारी की।

अमित शाह ने अपने उद्बोधन में कहा कि बस्तर का यह दशहरा मेला केवल बस्तर का नहीं है और न ही यह छत्तीसगढ़ का है बल्कि यह पूरे विश्व में सांस्कृतिक रूप से पहचान दिलाने वाला महत्वपूर्ण मेला है। यहां नक्सलियों ने विकास को मरहूम कर रखा था लेकिन भाजपा सरकार ने नक्सलवाद को समाप्त करने का संकल्प लिया है और मां दंतेश्वरी से भी यही आशीर्वाद लिया है कि 31 मार्च 2026 तक बस्तर में नक्सल समस्या खत्म कर दी जाएगी और अब यहां के विकास को कोई नहीं रोक पायेगा। मैं प्रधानमंत्री मोदी जी की तरफ से यह गारंटी देने आया हूं कि 31 मार्च के बाद बस्तर का विकास कोई नहीं रोक पाएगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अमित शाह का स्वागत किया और कहा कि गृह मंत्री और प्रधानमंत्री के नेतृत्व में बस्तर में अब विकास की गंगा बहेगी। इससे पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह आज बस्तर में बस्तर दशहरा उत्सव में सबसे पहले मां दंतेश्वरी मंदिर में दर्शन किया. इस दौरान उन्होंने मंदिर प्रांगण के किनारे खड़े लोगों को अपने करीब बुलाया और उनसे आत्मीय मुलाकात की. यह दृश्य बस्तर में पहली बार देखने को मिला, क्योंकि यहां नक्सलवाद के चलते हमेशा से सुरक्षा व्यवस्था बेहद कड़ी रहती है. केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बस्तर प्रवास को लेकर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कड़े इंतजाम किए गए हैं. पूरे बस्तर संभाग में 3-लेयर सुरक्षा घेरा बनाया गया है.सभी कैंप और थानों को हाई अलर्ट मोड पर रखा गया है, वहीं सीमाई इलाकों में नाकाबंदी कर सघन जांच की जा रही है।

बस्तर दशहरा में शामिल होने पहुंचे शाह
दंतेश्वरी माई का किया दर्शन

गृह मंत्री अमित शाह ने इस परंपरा को तोड़ते हुए जनता से सीधे संवाद कर एक बड़ा संदेश दिया कि अब बस्तर में भय नहीं, विश्वास है. उन्होंने यह संदेश 31 मार्च 2026 की उस डेडलाइन से जोड़ा, जो देश से नक्सलवाद खत्म करने की तय तिथि है. मुलाकात के दौरान श्रद्धालुओं ने मुंडा बजा, जो मां दंतेश्वरी का पारंपरिक भजन है, गाकर गृह मंत्री का स्वागत किया. इसके बाद अमित शाह ने मंदिर में प्रवेश किया, विधिवत पूजा-अर्चना कर मां दंतेश्वरी का आशीर्वाद लिया और फिर मुरिया दरबार की परंपरा में शामिल हुए. मुरिया दरबार की शुरुआत माता दंतेश्वरी की तस्वीर पर दीप प्रज्वलित कर की गई, जहां गृह मंत्री ने बस्तर की लोक परंपरा के प्रति सम्मान जताया.

राजधानी में 28-30 नवंबर को अभा डीजीपी आईजी सम्मेलन, पीएम मोदी होंगे शामिल

रायपुर, 4 अक्टूबर (हाईवे चैनल)। छत्तीसगढ़ के नवा रायपुर अटल नगर स्थित आईआईएम में पहली बार अखिल भारतीय डीजीपी-आईजी सम्मेलन 28-30 नवंबर के बीच होगा. इस तीन दिवसीय सम्मेलन में देशभर के सभी राज्यों के पुलिस महानिदेशक, पुलिस महानिरीक्षक और सुरक्षा एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारी आंतरिक सुरक्षा, नक्सल विरोधी अभियान, आतंकवाद विरोधी प्रयास, ड्रग्स नियंत्रण व साइबर सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करेंगे. केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह इस सम्मलेन का शुभारंभ करेंगे. वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समापन सत्र में शामिल होने की संभावना है।

आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक छत्तीसगढ़ सहित देशभर से नक्सलवाद को 31 मार्च 2026 तक खत्म करने का लक्ष्य रखा गया है. इस दिशा में राज्य व केंद्रीय सुरक्षा बलों को संयुक्त रणनीति के तहत मिल रही सफलताओं को भी सम्मेलन में रेखांकित किया जाएगा. हाल ही के कुछ महीनों के भीतर कई बड़े नक्सली मारे गए हैं. साथ ही बड़ी संख्या में नक्सली सुरक्षाबलों के समक्ष आत्मसमर्पण भी कर रहे हैं. वहीं, नक्सलवाद खत्म होने के बाद संबंधित क्षेत्रों में होने वाले विकास कार्यों को लेकर भी कार्ययोजना तैयार की जाएगी।

सूत्रों के अनुसार, 60वीं डीजीपी-आईजी कांफ्रेंस में इस बार नक्सल प्रभावित इलाकों पर खास फोकस रहेगा. छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र में हाल के समय में पुलिस और केंद्रीय बलों की संयुक्त रणनीति से उल्लेखनीय सफलता मिली है. सम्मेलन में इस दिशा में आगे की योजनाओं पर भी मंथन होगा. महत्वपूर्ण यह भी है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो महीने के भीतर दूसरी बार छत्तीसगढ़ का दौरा करेंगे. पीएम मोदी 31 अक्टूबर की शाम रायपुर आएंगे, रात विश्राम करेंगे और अगले दिन यानी 1 नवंबर को राज्य स्थापना दिवस के मुख्य समारोह में शामिल होंगे. इसके बाद नवंबर के अंतिम सप्ताह में वो फिर रायपुर पहुंचेंगे और डीजीपी-आईजीपी सम्मेलन के समापन सत्र को संबोधित करेंगे. पीएम मोदी इस कांफ्रेंस को लेकर शुरू से काफी गंभीर रहे हैं. पिछले साल भुवनेश्वर में हुई कांफ्रेंस में भी उन्होंने हिस्सा लिया था।

ब्रेकिंग न्यूज

ननकीराम कंवर को पुलिस ने एक भवन में रखा

रायपुर, 4 अक्टूबर (हाईवे चैनल)। पूर्व गृहमंत्री ननकीराम कंवर ने कोरबा जिले के कलेक्टर अजीत वर्सत को जिले से हटाने की मांग को लेकर अपनी ही सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। पूर्व गृहमंत्री कंवर लगातार कलेक्टर को हटाने की मांग कर रहे हैं और इसी मांग को लेकर सीएम हाउस के सामने धरने पर बैठने की बात भी उन्होंने कही थी। वहीं ननकीराम कंवर सीएम हाउस के सामने धरने पर बैठने के लिए रायपुर भी पहुंच चुके हैं, लेकिन उनके रायपुर पहुँचते ही हलचल शुरू हो गई। पूर्व गृहमंत्री ननकीराम कंवर जैसे ही रायपुर पहुंचे पुलिस ने उन्हें रोककर घेराबंदी कर ली। इस दौरान पुलिस के बड़े अधिकारी, एसडीएम और कई जवान मौजूद है। पूर्व गृहमंत्री ननकी राम कंवर को एम्स अस्पताल के पास एक भवन में घेराबंदी कर के रखा गया है। भाजपा के कई दिग्गज नेता और कार्यकर्ता ननकीराम कंवर को मनाने के लिए पहुंचे हुए हैं। इतना ही पूर्व गृहमंत्री के बेटे संदीप कंवर भी अपने पिता को मानाने के लिए पहुंचे हैं और उन्हें मनाने की कोशिश कर रहे हैं।

रात में ठलकाया जाम, सुबह लहूलुहान मिली अधेड़ की लाश

रायपुर, 4 अक्टूबर (हाईवे चैनल)। मंदिरहसौद थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम कुकरा में एक व्यक्ति की हत्या कर दी गई है. घटना के बाद से इलाके में सनसनी फैल गई है. मौके पर पुलिस के आलाधिकारी, फॉरेंसिक की टीम पहुंच गई है. मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए आरंग भेज दिया गया है. मृतक की पहचान सुरेश धीवर (उम्र 45 वर्ष) के रूप में हुई है. मृतक के सिर पर चोट के गंभीर निशान है. जानकारी के अनुसार शुक्रवार को सुरेश कुछ लोगों के साथ बैठकर जाम छलकाए, लेकिन शनिवार सुबह सुरेश की लहूलुहान हालत में लाश मिली. गांव वाले शव को देखकर दंग रह गए. घटना के बाद से गांव का ही संदिग्ध फरार है.

चूहा- सुनती हो, भाजपा प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी कह रहे हैं कि राहुल गांधी में क्या खासियत है जिसमें विदेशों में व्याख्यान देने बुलाते हैं ?
चुहिया- हां जी, विदेश में रहकर देखो तब समझ आएगा कि राहुल को क्यों बुलाते हैं ?

आगरा में विसर्जन के दौरान 13 लड़के पानी में डूबे, 5 की मौत, 7 की तलाश जारी

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर (न्यूज चैनल)। उत्तर प्रदेश के आगरा जिले में विसर्जन के दौरान एक बड़ा हादसा हो गया। खेरागढ़ थाना क्षेत्र की ऊंटगन नदी में कुल 13 लड़के डूब गए। प्रशासन ने तुरंत रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। अब तक 6 लड़कों को निकाला जा चुका है, जिनमें से 5 की मौत हो चुकी है और एक लड़का गंभीर हालत में अस्पताल में इलाजरत है। बाकी 7 लड़कों की तलाश पिछले 40 घंटे से जारी है।

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, यह हादसा बीते गुरुवार को हुआ। विसर्जन के दौरान नदी में अचानक बहाव तेज हो गया और 13 लड़के डूब गए। यह हादसा खेरागढ़ थाना क्षेत्र के ऊंटगन नदी में हुआ। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, पीएसी और पैरामिलिट्री फोर्स मौके पर पहुंची और बचाव कार्य में जुट गई। 6 लड़कों को पानी से बाहर निकाला गया। इनमें से 5 लड़कों की मौत हो गई। एक लड़का अस्पताल में इलाज जारी है। बाकी 7 लड़कों की खोज जारी है। डूबने वाले 5 लड़कों की लाशें पोस्टमार्टम के बाद उनके परिवारों को सौंप दी गई हैं। गांव में मातम का माहौल है, हर कोई आंसू बहा रहा है। शमशान घाट गांव से करीब 100 मीटर की दूरी पर है, जहां इन सभी का अंतिम संस्कार देर रात किया गया। इस दौरान पुलिस कमिश्नर, जिलाधिकारी और कई अधिकारी मौजूद रहे।

मां बमलेश्वरी मंदिर में हादसा: ज्योति कक्ष में ड्यूटी के दौरान आदिवासी युवक की मौत, मंदिर प्रबंधन पर उठे सवाल

डोंगरगढ़, 4 अक्टूबर (हाईवे चैनल)। छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल डोंगरगढ़ के मां बमलेश्वरी मंदिर में नवरात्र के दौरान दुखद और चौंकाने वाली घटना हुई. मंदिर के ऊपर स्थित ज्योति कलश कक्ष में ड्यूटी कर रहे आदिवासी युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई. इस घटना के बाद मंदिर प्रबंधन और पुलिस दोनों पर गंभीर सवाल उठने लगे हैं. मृतक युवक का नाम शीतल मंडावी (38 वर्ष) है. वह गांव घोटिया का रहने वाला था और हर साल नवरात्र के दौरान ऊपर मंदिर में ज्योति कलश की देखभाल करने वाली टीम का हिस्सा रहता था. इस बार भी शीतल 9 दिनों के लिए ड्यूटी पर लगाया गया था. ज्योति कक्ष में सैकड़ों नहीं बल्कि हजारों कलश एक साथ जलते हैं, जिससे वहां धुआं और गर्मी बहुत बढ़ जाती है। बताया जाता है कि 30 सितंबर की रात करीब 2 बजे शीतल की तबीयत अचानक खराब हो गई. वह वहीं बेहोश हो गया. लोगों का कहना है कि धुएं की वजह से उसे सांस लेने में दिक्कत हुई और वह गिर पड़ा. अब सवाल यह उठ रहा है कि जब ऊपर से नीचे जाने के लिए मंदिर में रोपवे की सुविधा है, तो बीमार शीतल को उसी रास्ते से नीचे क्यों नहीं लाया गया? जानकारी के मुताबिक, उसे सीढ़ियों के रास्ते से नीचे उतारा गया, जो बहुत लंबा और कठिन है. इसमें काफी वक्त लग गया. लोगों का कहना है कि अगर उसे जल्दी रोपवे से नीचे लाया जाता, तो शायद उसकी जान बच सकती थी. कुछ लोगों का यह भी कहना है कि जब तक शीतल को नीचे लाया गया, तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

इस घटना के बाद मंदिर ट्रस्ट और पुलिस दोनों की कार्रवाई पर सवाल उठ रहे हैं. लोगों का आरोप है कि 30 सितंबर की इस घटना की जानकारी कई दिनों तक दबाने की कोशिश की गई. जब घटना के संबंध में ट्रस्ट के अध्यक्ष मनोज अग्रवाल से बात करने की कोशिश की गई, तो उन्होंने फोन नहीं उठाया. इससे लोगों का शक और बढ़ गया. वहीं मंदिर ट्रस्ट के मंत्री महेंद्र पिहार ने बताया कि रात के समय शीतल की तबीयत बिगड़ने पर ऊपर ही मौजूद डॉक्टर ने उसे ऑक्सीजन दी और स्ट्रेचर पर लिटाकर सीढ़ियों से नीचे भेजा. उस समय रोपवे बंद था और कर्मचारी घर जा चुके थे, इसलिए उसी रास्ते से ले जाया गया। उन्होंने बताया कि इस बार ऊपर मंदिर में 7,901 ज्योति कलश जलाए गए थे. इनकी देखरेख के लिए 200 लोगों की टीम बनाई गई थी. ज्योति कक्ष में वेंटिलेशन और एग्जॉस्ट फैन लगे हैं, जो 24 घंटे चलते हैं. ट्रस्ट की ओर से इन कर्मचारियों का बीमा भी कराया जाता है और किसी हादसे में मदद राशि भी दी जाती है. लेकिन ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर डॉ. सुचिता श्रीवास्तव ने पुष्टि की कि शीतल मंडावी की मौत अस्पताल पहुंचने से पहले ही हो चुकी थी। अब इस घटना को लेकर गोंड समाज में गहरा गुस्सा है. समाज के लोगों का कहना है कि अगर शीतल की जगह कोई वीआईपी या किसी बड़े समाज का व्यक्ति होता, तो उसे इस तरह सीढ़ियों से नीचे नहीं उतारा जाता. उनका आरोप है कि शीतल की मौत मंदिर ट्रस्ट की लापरवाही का नतीजा है।

आदिवासी समाज पर की आपत्तिजनक टिप्पणी, पुलिस कप्तान ने सब इंस्पेक्टर को किया लाइन अटैच

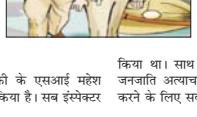

कोरिया, 4 अक्टूबर (हाईवे चैनल)। आदिवासी समाज के युवक से पुलिस चौकी में अभद्र व्यवहार कर गोंड आदिवासी समाज को चोर कहने वाले सब इंस्पेक्टर को लाइन अटैच कर दिया गया है। आदिवासी युवक के साथ अभद्र व्यवहार एवं आदिवासी समाज के खिलाफ अनर्गल टिप्पणी के बाद आदिवासी समाज लगातार विरोध प्रदर्शन कर सब इंस्पेक्टर के खिलाफ कार्यवाही की मांग कर रहा था। इसके बाद यह कार्यवाही की गई है।

एसपी रवि कुमार कुर्रे ने पोड़ी बचरा चौकी के एसआई महेश कुशवाहा को हटाकर रक्षित केंद्र बैकुंठपुर पदस्थ किया है। सब इंस्पेक्टर के खिलाफ कार्यवाही के लिए गोंडवाना गणतंत्र पार्टी लगातार विरोध कर रहा था। शिकायत के मुताबिक, 22 सितम्बर को पोड़ी पुलिस द्वारा आदिवासी गोंड समाज के खिलाफ अमर्यादित शब्दों का प्रयोग कर चोर कहा गया था। जिसकी बंजारीडांड़ निवासी अधीन सिंह पोया ने पुलिस अधीक्षक से शिकायत की थी। मामले में आदिवासी समाज सहित गोंगपा ने कुछ दिन पहले पोड़ी आदिवासी भवन में बैठक रखकर निंदा प्रस्ताव पारित किया था। साथ ही उप निरीक्षक को निलंबित कर अनुसूचित जाति जनजाति अत्याचार प्रताड़ना अधिनियम 1989 के तहत प्राथमिकी दर्ज करने के लिए सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया गया था।

आदिम जाति विकास मंत्री ने आदिवासी स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों पर निर्माणाधीन संग्रहालय-सह स्मारक के निर्माण कार्यों का किया निरीक्षण

रायपुर, 4 अक्टूबर। आदिम जाति विकास मंत्री रामविचार नेताम ने नवा रायपुर में आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान के समीप निर्माणाधीन शहीद वीर नारायण सिंह आदिवासी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय-सह स्मारक के निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया।

■ राज्योत्सव पर प्रधानमंत्री करेंगे संग्रहालय का उद्घाटन

मंत्री नेताम ने इस अवसर पर कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की परिकल्पना का परिणाम है कि जल्द ही छत्तीसगढ़ में जनजातीय वर्गों के ऐतिहासिक गौरव गाथा, शौर्य और बलिदान का प्रतीक संग्रहालय-सह स्मारक धरातल पर दिखाई देगा। यह निर्माणाधीन संग्रहालय सदियों के लिए नई पीढ़ियों को पुरखों की याद दिलाता रहेगा। यह न सिर्फ आदिवासी वर्गों के लिए बल्कि देश-विदेश के लोगों के लिए भी प्रेरणास्पद होगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश का यह पहला संग्रहालय है, जो कि छत्तीसगढ़ के आदिवासी स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के उच्च शौर्य एवं बलिदान को समर्पित है अत: इसके निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। मंत्री नेताम ने संग्रहालय के उद्घाटन के मद्देनजर सभी आवश्यक तैयारियां व निर्माण कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा ने कहा कि यह बहुत ही गर्व की बात है कि संग्रहालय का लोकार्पण देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कर कमलों से राज्योत्सव के समय किया जाना है। संग्रहालय के निर्माण कार्यों में लगने वाली मूर्तियां, कैनवास वर्क, डिजिटल वर्क का बारीकी के साथ परीक्षण किया जा रहा है। संग्रहालय का निर्माण कार्य लगभग पूर्ण हो चुके हैं। मूर्तियों की स्थापना, लाईट, बिजली आदि का टेस्टिंग कार्य जारी है। निरीक्षण के दौरान उनके साथ छत्तीसगढ़ राज्य अंत्यावसायी विकास निगम के संचालक डॉ. जगदीश सोनकर, आदिम जाति विकास विभाग संयुक्त सचिव बीएस राजपूत, टीआरटीआई संचालक श्रीमती हिना अनिमेष नेताम, उपायुक्त श्रीमती गायत्री नेताम, निर्माण एजेंसी के अधिकारी, ठेकेदार, क्यूरेटर, इंजीनियर्स, आर्ट कलाकार एवं अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

गंगरेल बांध के सभी गेट बंद : हो रही 7348 क्यूसेक पानी की आवक, पेन स्टॉक से छोड़ा जा रहा 1650 क्यूसेक पानी

धमतरी, 4 अक्टूबर (हाईवे चैनल)।लगातार बारिश का दौर जारी है. अच्छी बारिश से गंगरेल बांध लबालब है.लगातार बारिश से बांध में पानी की आवक बनी हुई है. 32. 150 टीएमसी क्षमता वाला गंगरेल बांध अब छलकने लगा है.लगातार बारिश से बांध मे दोपहर 12 बजे की स्थिति मे 7348 क्यूसेक पानी की आवक बनी हुई है. वही 1650 क्यूसेक गंगरेल बांध से पानी छोड़ा जा रहा है. बाँध के सभी गेट बंद हो चुके है. उक्त पानी पेन स्टॉक के माध्यम से डिस्चार्ज हो रहा है. पिछले 24 घंटे मे बांध मे कैचमेंट एरिया मे 34 मिलिमीटर वर्षा दर्ज की गई है. बांध का लेवल 348.53 मीटर है बाँध मे कुल जलभराव 31.583 टी एम सी है वहीं उपयोगी पानी जलभराव 26.512 टी एम सी है कैचमेंट एरिया से लगातार पानी की आवक बनी हुई है. प्रदेश का सबसे बड़ा रविशंकर जलाशय गंगरेल बांध लबालब होने से बाँध की खूबसूरती बढ़ गई है जिससे पर्यटको की संख्या भी बढ़ गयी है.बता दे की कल रात बांध के 8 गेट खोल कर 55000 क्यूसेक पानी बहाया जा रहा था. जिससे गंगरेल सहित रुद्री डैम का नजारा भी आकर्षक हो गया. बाढ़ के हालत को देखते हुए नदी तटीय गांव मे अलर्ट जारी किया गया है.

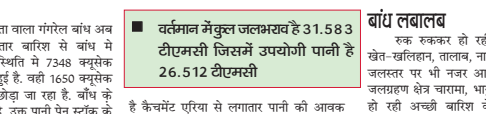

■ वर्तमान में कुल जलभराव है 31.583 टीएमसी जिसमें उपयोगी पानी है 26.512 टीएमसी

बारिश से जिले के सभी बांध लबालब

रुक रुककर हो रही बारिश का असर खेत-खलिहान, तालाब, नालों के साथ बांधों के जलस्तर पर भी नजर आ रहा है. गंगरेल के जलग्रहण क्षेत्र चारामा, भानुप्रतापपुर, कांकेर में हो रही अच्छी बारिश के कारण बांध का जलस्तर बढ़ता रहा है. बांध तो शत प्रतिशत भर चुका है अतिरिक्त जलभराव की स्थिति के चलते बाँध से लगातार पानी छोड़ जा रहा है.जिले के अन्य बांधो जैसे माड़ामसिल्ली दुधावा सोंढूर मे भी पर्याप्त जल भराव है उक्त बांध भी छलकने लगे है.